JSUNIL TUTORIAL
ACBSE Coaching for Mathematics and Science

ORWQT3C

संकलित परीक्षा-II (2014-2015)

हिन्दी 'अ'

कक्षा - X

निर्धारित समय : 3घण्टे

QUESTION PAPER @2015 for SA2
JSUNIL TUTORIAL
www.jsuniltutorial.weebly.com/

अधिकतम अंक : 90

निर्देश :

(1) इस प्रश्न-पत्र के **चार खंड** हैं - **क, ख, ग** और **घ**।

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड - क
(अपठित बोध)

1 **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से छाँट कर लिखिए ।** 5

मनुष्य अनुकरणशील प्राणी है। अतः वह आस - पास के लोगों से एवं सहचरों से कर्म सीखता है। किसी मनुष्य की प्रकृति क्या है , उसके स्वभाविक गुण क्या है , उसका नैतिक , सामाजिक व आध्यात्मिक चरित्र कैसा है ; इन सभी बातों का ज्ञान हमें उसकी संगति से होता है। किसी महापुरुष का कथन है कि यदि किसी को मित्र एवं सुहृदय बनाना हो तो उसके सहचरों को देखना चाहिए। यही उसके अभिज्ञान की सर्वोत्कृष्ट और सुगम विधि है। गाँधी जी के व्यक्तिगत संपर्क में आकर कितने ही लोग त्यागी , उदार , देश - सेवक और सच्चरित्र बने।

संगति एक पारसमणि है , जो लोहे को भी सोना बनाने की क्षमता रखती है। चंदन के समीप रहने से आस - पास के वृक्ष भी सुगंधित हो जाते हैं। दूध के साथ पानी भी उसी मूल्य पर बिकता है। जल की बूँद यदि गर्म तवे पर पड़े तो तत्क्षण मिट जाती है , यदि संयोग से यही बूँद सीप के मुख में गिरे तो वह उज्ज्वल मणि बनेगी। यही सत्संग की महत्ता है।

QUESTION PAPER @2015 for SA2
JSUNIL TUTORIAL
www.jsuniltutorial.weebly.com/

(i) संगति किसके समान है ?

(क) उज्ज्वल मणि के समान

(ख) सुगंधित वृक्ष के समान

(ग) पारसमणि के समान

(घ) पानी के समान

(ii) गाँधी जी की क्या विशेषता थी ?

(क) पारसमणि के समान थे।

(ख) सुगंधित वृक्ष के समान थे।

(ग) उज्ज्वल मणि के समान थे।
(घ) त्यागी , उदार , सच्चरित्र थे।

(iii) मानव समाज से सीखता है –
(क) रोटी खाना (ख) कपड़े बुनना
(ग) कर्म करना (घ) दान देना

(iv) 'किसी व्यक्ति का चरित्र कैसा है' इसका हमें पता चलता है–
(क) उसके माता – पिता से
(ख) उसकी संगति से
(ग) उसके भाई – बहन से
(घ) उसकी जाति से

(v) गद्यांश का उचित शीर्षक चुनिए
(क) सत्संगति की महत्ता
(ख) आध्यात्मिक चरित्र
(ग) अनुकरण
(घ) गाँधी जी – अनुकरणशील प्राणी

QUESTION PAPER @2015 for SA2
JSUNIL TUTORIAL
www.jsuniltutorial.weebly.com/

2 **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए।**

भारत की संस्कृति कृषक–संस्कृति है। भारतीय किसान सीधा – सादा जीवन – यापन करता है । सच्ची बात को सीधे – सादे शब्दों में कहना उसका स्वभाव है । भारतीय किसान बड़ा कठोर जीवन जीता है । वह शरीर से हृष्ट–पुष्ट रहता है । माँ धरती और प्रकृति की गोद में खेलने के कारण न उसे बीमारियाँ घेरती हैं , न मानसिक परेशानियाँ । भारत के अधिकतर किसान ग़रीबी में जीते हैं। उनके पास थोड़ी ज़मीन है । छोटे किसान दिन–भर मेहनत करके भी भरपेट खाना नहीं जुटा पाते। अधिकतर किसान निरक्षर हैं । अज्ञान के कारण वे अंधविश्वासों में आस्था रखते हैं । इस कारण वे परिवार को सीमित रखने का महत्त्व नहीं समझते। परिणामस्वरूप उनका परिवार बढ़ता जाता है और ज़मीन कम होती जाती है । फिर उनके जीवन में खुशहाली कैसे आए ? अज्ञान के कारण ही व्यापारी लोग उन्हें आसानी से लूट लेते हैं। आवश्यकता हैं कि किसानों के बच्चों को सस्ती शिक्षा दी जाए । उनके उत्पादन को ऊँचे दामों पर बेचने का प्रबंध किया जाए ।

(क) भारतीय किसान स्वास्थ्य की दृष्टि से कैसा है ?
(i) कमज़ोर (ii) मोटा
(iii) हृष्ट – पुष्ट (iv) सुंदर

(ख) किसानों का अंधविश्वासी होना किस बात का प्रतीक है ?
(i) निराशा (ii) अज्ञान
(iii) निरक्षरता (iv) निर्धनता

(ग) किसानों की ज़मीन कम क्यों होती जा रही है?
(i) शहरीकरण से (ii) औद्योगीकरण से
(iii) जनसंख्या वृद्धि से (iv) गरीबी से

(घ) व्यापारी किसानों को क्यों लूटता है?

(i) अज्ञान के कारण (ii) अमीरी के कारण
(iii) अपनी इच्छा से (iv) उनकी पीड़ा से

(ङ) आसानी , सस्ती शब्द है –
(i) तत्सम (ii) तद्भव
(iii) देशज (iv) आगत

3 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़िए तथा उनके नीचे दिए प्रश्नों के सही उत्तर विकल्पों से चुनकर लिखिए – 5

आज भी रोज की तरह दिन ढल गया
कनेर के फूल
सुबह जो मुस्करा रहे थे
रो दिए
चिड़ियाँ चहचहाती
बिजली की तार पर कतार में बैठी
फिर सब की सब एक साथ उड़ीं
और छत की मुंडेर पर जा बैठीं
दिन ढलते ही सब अपने अपने घर
चल दिए
आज भी रोज की तरह दिन ढल गया–

बैलगाड़ियों से
फैक्टरी के सामने की सड़क से
किसान अपने – अपने गाँवों को
लौट गए
फैक्टरी के ऊँची चिमनियों से धुआँ
हवा के रुख के साथ
उड़कर खो गया
आज भी रोज की तरह दिन ढल गया–

सूखी घास में , सामने की बंजर जमीन पर
जो बहुत बढ़ गई थी
किसी ने आग लगा दी
सब तिनके एक – एक कर जल गए
पहले से ही उजाड़ थी यह जगह
अब तो झुलसकर
और स्याह हो गई
आज भी रोज की तरह दिन ढल गया

QUESTION PAPER @2015 for SA2
JSUNIL TUTORIAL
www.jsuniltutorial.weebly.com/

QUESTION PAPER @2015 for SA2
JSUNIL TUTORIAL
www.jsuniltutorial.weebly.com/

कनेर के फूल
सुबह जो मुस्करा रहे थे
रो दिए –

(क) दिन ढलते ही यह हुआ कि –
(i) लोग मुस्कराने लगे। (ii) चिड़ियाँ उड़ने लगीं।
(iii) सब अपने – अपने घर चल दिए। (iv) सभी सामान उठाने लगे।

(ख) छत की मुंडेर पर कौन जा बैठा?
(i) चिड़ियाँ (ii) किसान
(iii) कबूतर (iv) बच्चे

(ग) चिमनियों को धुआँ की यह दशा हुई कि वह –
(i) बादल बनकर उड़ गया।
(ii) हवा के रुख के साथ उड़ गया।
(iii) हवा में मिलकर खो गया।
(iv) हवा के रुख के साथ उड़कर खो गया।

(घ) सूखी घास जलने से जमीन हो गई –
(i) राख – सी (ii) हरी –भरी
(iii) स्याह (iv) झुलसी हुई

(ङ) सवेरे कनेर के फूलों की दशा थी कि वे –
(i) मुरझा रहे थे (ii) खिलखिला रहे थे
(iii) स्याह काले थे (iv) मुस्करा रहे थे

4 **निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और नीचे दिए प्रश्नों के सही उत्तर के सही विकल्प छाँटकर लिखिए ।**

QUESTION PAPER @2015 for SA2
JSUNIL TUTORIAL
www.jsuniltutorial.weebly.com/

सूरज की नन्हीं किरणें
चुपके से उतर आई हैं घर के अंदर
और खेल रही हैं छुपन – छुपाई
खुशी से खुल गई हैं खिड़कियाँ
हवा की शुद्धता हृदय में घुल रही हैं
ये सुबह तुम्हारी है।
मंगलमय क्षितिज पर उग रहा है नव वर्ष
ये सुबह तुम्हारी है।
नया वर्ष लेकर आया है सुंदर नवल प्रभात
आशाओं के पंख उगे हैं
सपनों की बारात।
कलरव करती सोन चिरैया फूल करें अठखेली
रंगों का संसार खिला है पुरवैया अलबेली

QUESTION PAPER @2015 for SA2
JSUNIL TUTORIAL
www.jsuniltutorial.weebly.com/

घूँघट पट से नयन झाँकते
बिखराएँ पारिजात।
नया वर्ष लेकर आया है सुंदर नवल प्रभात
आशाओं के पंख उगे हैं
सपनों की बारात।

(i) प्रस्तुत कविता का विषय है –
(क) सुबह का उगता सूरज। (ख) खुली खिड़की।
(ग) नये वर्ष की सुबह। (घ) नये वर्ष की शाम।

(ii) आँगन में छुपन – छुपाई खेल रही हैं–
(क) नन्हीं बालिकाएँ। (ख) नन्हीं कलियाँ।
(ग) नन्हीं खिड़कियाँ। (घ) नन्हीं किरणें।

(iii) नवल प्रभात का अर्थ है –
(क) सुनहरा सवेरा (ख) रंगीन सवेरा
(ग) नया सवेरा (घ) सुबह का उजाला

(iv) "सूरज की नन्हीं किरणें चुपके से उतर आई है घर के अंदर" में अलंकार है –
(क) रूपक (ख) उपमा
(ग) अनुप्रास (घ) मानवीकरण

(v) प्रस्तुत कविता संदेश देती है –
(क) समस्याओं से लड़ते रहें।
(ख) झगड़ों में उलझे रहें।
(ग) सब कुछ भूलकर नये वर्ष का स्वागत करें।
(घ) हर्ष उल्लास से रहें।

खंड - ख

(व्यावहारिक व्याकरण)

5 निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए– 3

(i) चार गुंडों ने मुझे पीटा क्योंकि मैंने अपना पर्स देने से इंकार कर दिया था। (सरल वाक्य)
(ii) उसने मेरी बात मानी और सफल हो गया। (मिश्र वाक्य)
(iii) डॉक्टर के आते ही मरीज़ ठीक हो गया। (संयुक्त वाक्य)

6 निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए– 4

(i) मैं ठंडे पानी से नहाया। (कर्मवाच्य)
(ii) चांदनी द्वारा गुड़िया से खेला जा रहा है। (कर्तृवाच्य)
(iii) रानी दौड़ नहीं सकती। (भाववाच्य)

(iv) बालक रो रहा है (कर्मवाच्य)

7 निम्नांकित वाक्यों के रेखांकित पदों का व्याकरणिक परिचय दीजिए- 4

(i) रमेश ऊपर देखने लगा।

(ii) छात्र छात्राओ से पहले अध्यापिका आ पहुँची।

(iii) अच्छा ! आप आए है।

(iv) हम लोग दर्शनों के लिए गए थे।

8 (क) उत्साह स्थायी भाव किस रस का है? 4

(ख) सड़ी गली दुर्गन्ध युक्त वातावरण किस रस का उद्दीपन विभाव है?

(ग) 'काचे घट जिमि डारौं फोरी, सकहुँ मेरु मूलक जिमि मोरी' में किस रस का प्रयोग हुआ है?

(घ) पानी परात कौ हाथ छऔ मति नैनन के जल सौं पग धोए में किस रस का प्रयोग हुआ है?

QUESTION PAPER @2015 for SA2
JSUNIL TUTORIAL
www.jsuniltutorial.weebly.com/

खंड - ग

(पाठ्यपुस्तक)

9 **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए- (2+2+1)** 5

काशी संस्कृति की पाठशाला है। शास्त्रों में आनंद्कानन के नाम से प्रतिष्ठित। काशी में कलाधर हनुमान व नृत्य - विश्वनाथ हैं। काशी में बिस्मिल्ला खाँ है । काशी में हज़ारों सालों का इतिहास है जिसमें पंडित कंठे महाराज हैं , विद्याधरी हैं , बड़े रामदास जी हैं , मौजुद्दीन खाँ हैं व इन रसिकों से उपकृत होने वाला अपार जन - समूह है। यह एक अलग काशी है जिसकी अलग तहज़ीब है , अपनी बोली और अपने विशिष्ट लोग हैं। इनके अपने उत्सव हैं , अपना गम । अपना सेहरा - बना और अपना नौहा। आप यहाँ संगीत को भक्ति से , भक्ति का किसी भी धर्म के कलाकार से , कजरी को चैती से , विश्वनाथ को विशालाक्षी से, बिस्मिल्ला खाँ को गंगाद्वार से अलग करके नहीं देख सकते।

(1) काशी को संस्कृति की पाठशाला क्यों कहा गया है?

(2) काशी के लोगों की विशिष्ट पहचान क्या है?

(3) शास्त्रों में काशी किस नाम से प्रसिद्ध है?

निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए :

10(i) 'एक कहानी यह भी' पाठ में लेखिका का जन्म और यादों का सिलसिला कहाँ से आरम्भ होता है और लेख में उनकी स्थिति किस रूप में अंकित है? बताइए। 2

10(ii) महावीर प्रसाद द्विवेदी जी जहाज का उदाहरण देकर क्या सिद्ध करना चाहते हैं ? 'स्त्री शिक्षा के विरोधी कुतर्कों का खंडन' पाठ के आधार पर लिखिए। 2

10(iii) बिस्मिल्ला खाँ की तुलना हिरण से क्यों की गई है ? पठित पाठ के आधार पर लिखिए। 2

10(iv) लेखक ने आग और सुई धागों के आविष्कारों से क्या स्पष्ट किया है? 'संस्कृति' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए। 2

10(v) द्विवेदी जी ने 'स्त्रीशिक्षा के विरोधी कुतर्कों का खंडन' पाठ के माध्यम से हमें क्या संदेश देना चाहा है ? स्पष्ट कीजिए। 2

11 **निम्न पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-(2+2+1)** 5

मुख्य गायक के चट्टान जैसे भारी स्वर का साथ देती
वह आवाज़ सुंदर कमज़ोर काँपती हुई थी
वह मुख्य गायक का छोटा भाई है
या उसका शिष्य।

QUESTION PAPER @2015 for SA2
JSUNIL TUTORIAL
www.jsuniltutorial.weebly.com/

(1) संगतकार और मुख्य गायक की आवाज़ में क्या अन्तर है?
(2) संगतकार और मुख्य गायक का क्या सम्बन्ध हो सकता है?
(3) 'अनुप्रास अलंकार' का उदाहरण छाँटकर लिखें।

निम्नलिखितप्रश्नोंकेसंक्षिप्तउत्तर लिखिए:

12(i) 'भृगुसुत' तथा 'गाधि सूनु' शब्द यहाँ किन-किन के लिए प्रयुक्त हुए हैं? 'राम -लक्ष्मण - परशुराम संवाद' पाठ के आधार पर स्पष्ट करें। 2

12(ii) कविता 'छाया मत छूना' में कवि ने कठिन यथार्थ के पूजन की बात किस कारण से की है? स्पष्ट कीजिए कि "कठिन यथार्थ" का आशय क्या है? 2

12(iii) लड़की को धुधले प्रकाश की कुछ तुकों और कुछ लयबद्ध पंक्तियों की पाठिका कहने से कवि का क्या तात्पर्य हैं? कन्यादान कविता के आधार पर लिखिए। 2

12(iv) मुख्य गायक और संगतकार की आवाज में अन्तर स्पष्ट कीजिए। 2

12(v) मुख्य गायक को संगतकार कब-कब, कहाँ और किस प्रकार संभालता है? 2

13 पहाड़ी बच्चों और महानगरीय बच्चों की जीवन - शैली में आपको क्या भिन्नता दिखाई देती है? अपने विचार लिखिए तथा आप-को अपनी तुलना में उन बच्चों के प्रति कैसी अनुभूति होती है? ''साना साना हाथ जोड़ि'' पाठ के आधार पर लिखिए। 5

खंड - घ

(लेखन)

दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर किसी एक विषय पर 200 - 250 शब्दों में निबंध लिखिए :

14(i) रेलवे प्लेटफार्म का दृश्य :

- हलचल का दृश्य
- गाड़ी जाने पर
- शोरगुल और अस्वच्छता

14(ii) जैसी संगति बैठिए, तैसो ही फल होए : 10

- संगति का प्रभाव
- सत्संगति से लाभ
- कुसंगति के बुरे परिणाम

QUESTION PAPER @2015 for SA2
JSUNIL TUTORIAL
www.jsuniltutorial.weebly.com/

14(iii) गरीबी सबसे बड़ा अभिशाप :

- गरीबी के कारण
- गरीबी से उत्पन्न मानसिक हीनता
- गरीबी दूर करने के उपाय

15 अपने छोटे भाई को पत्र लिखकर उसे स्वास्थ्य का महत्त्व तथा स्वस्थ रहने के उपाय बताइए। 5

16 **निम्नलिखित गद्यांश का सार एक तिहाई शब्दों में लिखिए।** 5

महात्मा गांधी ने अपनी आत्म-कथा में लिखा है कि वह पहले व्यायाम को व्यर्थ समझते थे, किन्तु बाद में उन्होंने इसके महत्व को समझा और शेष जीवन में नित्य प्रात:काल व्यायाम के रूप में भ्रमण करते थे। कहा भी गया है कि ''आलस्य हि मनुष्याणां शरीरस्थो महान् रिपु:।

आलस्य मनुष्य के शरीर में विद्यमान एक महान शत्रु है। आलस्य मनुष्य के जीवन को शिथिल बना देता है, उसकी बुद्धि भी मन्द हो जाती है। शरीर और बुद्धि का संबंध अन्तरंग नसों और अंग-प्रत्यंगों से होता है। व्यायाम से शरीर के आन्तरिक अंगों में फुर्ति आती है और रक्त संचार में गति आती रहती है, जिससे मन प्रसन्न रहता है और शरीर स्वस्थ होता है। व्यायाम के बिना पाचन-क्रिया ठीक ढ़ंग से नहीं होती, जिससे पेट को अनेक प्रकार के रोगों का सामना करना पड़ता है। व्यायाम से रोगों की उत्पत्ति नहीं हो पाती। इसका कारण यह है कि व्यायाम करने से रक्त में रहने वाले कीटाणु सबल हो जाते हैं और वे रोग उत्पन्न करने वाले कीटाणुओं को नष्ट करे देते है।